Roll. No. ..... **197** Total Printed Pages : 4

B.A. (Pt. III) **Hindi Lit. - I**
4007- I-A

B.A. (Part III) EXAMINATION, 2023
(For Non-Collegiate)

(Faculty of Arts)

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A. (Hons.) Part III]

(Three- Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

HINDI LITERATURE

FIRST PAPER

आधुनिक हिन्दी कविता

TIME ALLOWED : THREE HOURS

Maximum Marks – 100

(1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the Main answer-book only.
किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नही दी जाएगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर लिखें।

(2) All the parts of one question should be answered at the one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer book.
किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर -पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

https://www.msbuonline.com

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) तू प्यारे का मृदुल स्वर ला मिष्ट जो है बड़ा ही। (10 अंक)
जो यों भी है क्षरण करती स्वर्ग की सी सुधा को।
थोड़ा भी ला श्रवणपुट में जो उसे डाल देगी।
मेरा सूखा हृदयतल तो पूर्ण उत्फुल्ल होगा।।

अथवा

जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति-सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।
मेरे क्रन्दन में बजती
क्या वीणा?- जो सुनते हो
धागों से इन आँसू के
निज करूणा-पट बुनते हो।

(ख) जागो फिर एक बार! (10 अंक)
प्यार जगाते हुए हारे सब तारे तुम्हें
अरूण-पंख तरूण-किरण
खड़ी खोलती है द्वार
जागो फिर एक बार
आँखें अलियों-सी
किस मधु की गलतियों में फँसी,
बन्द कर पाँखे
पी रही हैं मधु मौन
या सोयी कमल-कोरकों में?
बन्द हो रहा गुँजार-
जागो फिर एक बार!

अथवा

हमें बल दो, देशवासियों
क्योकि तुम बल हो:
तेज दो, जो तेजस् हो,
ओज दो, जो ओजस् हो,
क्षमा दो, सहिष्णुता दो, तप दो,
हमें ज्योति दो, देशवासियों
हमें कर्म-कौशल दो:
क्योकि अभी कुछ नहीं बदला है,
अभी कुछ नही बदला है.....

https://www.msbuonline.com

(ग) एशिया के, यूरोप के, अमरिका के
भिन्न-भिन्न वास-स्थान; (10 अंक)
भौगोलिक, ऐतिहासिक बन्धनों के बावजूद,
सभी ओर हिन्दुस्तान, सभी ओर हिन्दुस्तान।
सभी ओर बहनें हैं, सभी ओर भाई हैं।
सभी ओर कन्हैया ने गायें चराई हैं
जिन्दगी की मस्ती का अकुलाता भोर एक;
बंसी की धुन सभी ओर एक।
दानव दुरात्मा एक,
मानव की आत्मा एक
शोषक और खूनी और चोर एक।

अथवा

पर हाय मुझे क्या मालूम था
कि इस बेला जब अपने को
अपने से छिपाने के लिए मेरे पास
कोई आवरण नहीं रहा
तुम मेरे जिस्म के एक-एक तार से झंकार उठोगे
सुनो! सच बतलाना मेरे स्वर्णिम संगीत
इस क्षण की प्रतीक्षा में तुम
कब से मुझमें छिपे सो रहे थे!

(घ) प्रार्थना के लिए नहीं
राजाज्ञाओं के लिए शिलालेख होते हैं। (10 अंक)
प्रार्थना तो विनय-पत्रिका है
जो अनाम को अनाम व्यक्ति
और घर के भोजपत्र पर
मन्त्रों-सी अंकित हो जाती है।
आज्ञा तो दूर
प्रार्थना, सम्बोधन भी नहीं करती,
वह तो मात्र प्रस्तुत होना जानती है
जैसे कि नदी, नक्षत्र!

अथवा

हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमाल्य से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी,
शर्त लेकिन थी कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए।

https://www.msbuonline.com

2. भारतेन्दु हरिश्चन्द की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (15 अंक)

अथवा

प्रिय प्रवास के काव्य सौंदर्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. मैथिली शरण गुप्त की नारी दृष्टि पर प्रकाश डालिए। (15 अंक)

अथवा

प्रसाद के आँसू काव्य में प्रेम एवं विरह की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

4. निराला की जागो फिर एक बार कविता में प्रकृति चित्रण एवं मूल प्रतिपाद्य पर एक लेख लिखिए। (15 अंक)

अथवा

अज्ञेय की कविताओं के कला पक्ष की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। (7.5+7.5 अंक)

(क) मुक्तिबोध की भाषा शैली

(ख) नरेश मेहता की सृजन यात्रा

(ग) धर्मवीर भारती प्रेम और सौंदर्य के कवि।

(घ) राम की शक्ति पूजा में राम का चरित्र।

*****

https://www.msbuonline.com